भाकृअनुप-राष्ट्रीय प्राकृतिक रेशा अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, कोलकता में "प्राकृतिक संसाधनों से देश के उन्नयन विकाश में आधुनिक तकनीकों का योगदान" विषय पर 'राष्ट्रीय हिंदी वैज्ञानिक संगोष्ठी का आयोजन

25 सितम्बर 2023, कोलकाता:

भाकृअनुप-राष्ट्रीय प्राकृतिक रेशा अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, कोलकता द्वारा दिनांक २५ सितम्बर २०२३ को "प्राकृतिक संसाधनों से देश के उन्नयन विकाश में आधुनिक तकनीकों का योगदान"विषय पर 'राष्ट्रीय हिंदी वैज्ञानिक संगोष्ठी" का आयोजन किया गया।

संगोष्ठी का उद्घाटन प्रोफ. देबी प्रसाद मिश्रा, निदेशक, राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान (एन. आई. टी. टी. टी. आर.), कोलकाता ने मुख्य अतिथि के रूप में किया । प्रोफ. मिश्रा ने तकनीकी शिक्षा के छेत्र में हिंदी के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए प्रबल बल दिया। प्रोफ. मिश्रा प्राकृतिक संसाधनों एवं आधुनिक तकनीकों के बीच समन्वय बनाने के लिए भी वैज्ञानिको को प्रेरित किया।

संगोष्ठी में डॉ. मुकेश कुमार सिंह, पूर्व निदेशक,उत्तर प्रदेश वस्त्र प्रौद्योगिकी संस्थान, (यूपीटीटीआई), कानपूर एवं विशिष्ट अतिथि ने वर्तमान परिदृश्य में प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के लिए आधुनिक तकनीकों के महत्व को रेखांकित करने के साथ साथ विवेकपूर्ण उपयोग पर जोर दिया।

डॉ. एन सी पान, पूर्व कार्यकारी निदेशक, निनफेट कोलकाता एवं सम्मानित अतिथि ने संगोष्ठी में सम्मलित होने पर ख़ुशी प्रकट की एवं भविष्य में हिंदी में वैज्ञानिक संगोष्ठी को निरन्तर आयोजित करने के लिए प्रेरणा दी।

डॉ. डी. बी. शाक्यवार, निदेशक, निनफेट कोलकाता ने संगोष्ठी के माध्यम से संस्थान में वैज्ञानिक एवं प्रसाशनिक गतिविधियों में हिंदी के बढ़ते उपयोग के बारे में बताया। इसके साथ ही साथ "राष्ट्रीय परीक्षण एवं अंशशोधन प्रयोगशाला प्रत्यायन बोर्ड (NABL)" द्वारा संस्थान को प्राप्त मान्यता के बारे में देश के वस्त्र उद्दमी को जानकारिया दी।

डॉ. एल. के. नायक, विभागाध्यक्ष, प्रौद्यो. स्था. विभाग, एवं आयोजन सचिव, राष्ट्रीय हिंदी वैज्ञानिक संगोष्ठी ने संगोष्ठी में ऑनलाइन एवं ऑफलाइन रूप से जुड़े मेहमानो का स्वागत किया एवं संगोष्ठी के माध्यम से हिंदी एवं विज्ञानं के बारे में ज्ञान साझा किया।

संगोष्ठी में देश के चार प्रख्यात वैज्ञानिको द्वारा मुख्य व्याख्यान दिए गए। इस चरण में *डॉ.* ***के. एन. अग्रवाल****, परियोजना समन्वयक, अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना-कृषि उपकरण और मशीनरी, भा.कृ.अ.नु.प-केंं.कृ.अ.सं. भोपाल,* ने **"कृषि यंत्रीकरण में आधुनिक तकनीकों का योगदान"** ***डॉ. अनिर्बन दत्ता****, प्रधान वैज्ञानिक, भा.कृ.अ.नु.प-राष्ट्रीय माध्यमिक कृषि संस्थान, रांची* ने **"नेट्रसिटिकल: मानव स्वस्थ के लिए भविष्य"**, ***डॉ. देब प्रसाद राय,*** *प्रधान वैज्ञानिक एवं विभागाध्यक्ष रासायनिक और जैव रासायनिक प्रभाग,* ने **"राष्ट्रीय परीक्षण एवं अंशशोधन प्रयोगशाला प्रत्यायन बोर्ड (एनऐबीएल) मान्यता का वस्त्र उद्योग के व्यावसायिक गतिविधियों में सक्रिय योगदान"** एवं ***डॉ. मुकेश कुमार सिंह,*** *पूर्व निदेशक, उत्तर प्रदेश वस्त्र प्रौद्योगिकी संस्थान (यूपीटीटीआई), कानपूर,* ने **"वस्त्र उद्योग के व्यवसायीकरण में आधुनिक तकनीकों का योगदान"** विषय पर मुख्य व्याख्यान दिया ।

संगोष्ठी में भारत के 10 राज्यों के 14 संस्थानों से वैज्ञानिको, शिक्षकों, एवं शोध विद्यार्थियों द्वारा 21 शोध पत्र के सारांश को प्रस्तुतीकरण के लिए भेजा गया था जिसमे से की 20 प्रतिभागियों ने अपनी प्रस्तुति को दिया। संगोष्ठी में शामिल किये गए सरांशो को एक पुस्तिका के रूप में संगोष्ठी में उपस्थित अतिथियों द्वारा विमोचन भी किया गया।

संगोष्ठी का संचालन इंजी. प्रतीक श्रीवास्तव, वैज्ञानिक एवं सह- आयोजन सचिव एवं इंजी. मनीषा जगदाले, वैज्ञानिक एवं सदस्य, रा. हिं. वै. संगोष्ठी, द्वारा किया गया।

संगोष्ठी का समापन देश के राष्ट्रगान के साथ किया गया।

(सूत्र: भाकृअनुप-राष्ट्रीय प्राकृतिक रेशा अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, कोलकता)